वर्ष-2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0	5	1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

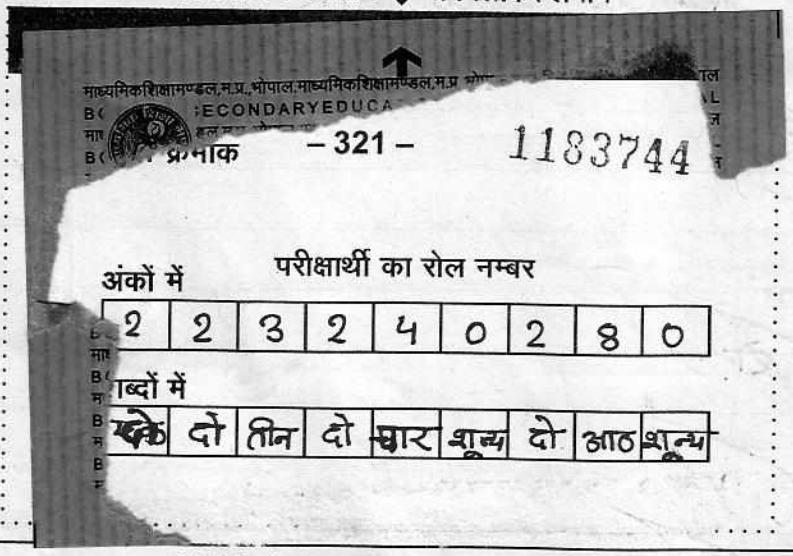

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल,माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.

SECONDARYEDUCA

क्रमांक -321- 1183744

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	3	2	4	0	2	8	0

शब्दों में

दो	दो	तीन	दो	चार	शून्य	दो	आठ	शून्य

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में \ शब्दों में \

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 109

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्ड्री परीक्षा केन्द्र क्रमांक .322017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Ganpati pandey	Ram

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
एस. खान V. No. 392	SMT. J. BHOURE V.N.-4939

नोट :– ''हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।''

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

ST-16 A4
india.com

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 1 का उत्तर

1. (ब) जग - जीवन का

2. (स) तुलसीदास

3. (अ) जब मन खाली हो

4. (द) चाँद सिंह को

5. (अ) आनन्द यादव

6. (द) उपरोक्त सभी

:———X———:

प्रश्न क्र० 2 का उत्तर

1. प्रत्याशा

2. लछमिन

3. मराठी

4. कम

5. उत्साह

6. मात्रिक

MPBSE

प्रश्न क्र.

आकाश

1. :————————X————————:

प्रश्न क्र० 3 का उत्तर

अ) ब)

बात की चूडी मर जाना - बात का प्रभावहीन हो जाना

2. अवधूत - शिरिष के फूल

3. सिल्वर वैडिंग - यशोधर बाबू

4. कहानी का केन्द्रीय बिंदु - कथानक

5. चौपाई छन्द - 16-16 मात्राएं

6. तत्सम - सस्कृत के मूल शब्द

:————————X————————:

7.

प्रश्न क्र० 4 का उत्तर

1. उषा का जादू सूर्योदय के समय टूटता है।

2. पहलवान लुट्टन सिंह को 2 (दो) पुत्र थे।

3. मोहन-जोदड़ो (मुअनजो-दड़ो)

M P B S E

प्रश्न क्र.

4. 15 से 30 मिनट। 5. 3

त्याग देना।

6.

क्रिया विशेषण - किसी भी प्राणी व वस्तु द्वारा
7. किये जाने वाले कार्य विशेष को ही क्रिया विशेषण कहते है।

:———————×———————:

प्रश्न क्र० 5 का उत्तर

1. सत्य

2. असत्य

3. सत्य

4. असत्य

5. असत्य

6. सत्य

:———————×———————:

प्रश्न क्र० 6 का उत्तर

3. बच्चे अपने माता-पिता (चिड़िया) कि प्रतिक्षा मे व भोजन मिलने की आशा मे नीडों से झांक रहे होगे।

:———————×———————:

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 7 का उत्तर

'उषा' कविता मे भोर के नभ की तुलना शंख, काली सील, लिपे हुए चूल्हे व स्लेट से की गयी है।

:——x——:

प्रश्न क्र० 8 का उत्तर

भक्तिन के आ जाने से महादेवी और देहाती हो गयी क्योंकि भक्तिन दूसरो को स्वंय की तरह बना देती थी व उसके आने से उनकी भाषा व आचार व्यवहार मे ग्रामिण की झलक आ गयी थी।

:——x——:

प्रश्न क्र० 9 का उत्तर

महामारी के इस भीसण काल मे आशाहीन गांव मे पहलवान की ढोलक की आवाज गांव मे जीवंतता की एक किरण जला देती थी। मरने वाले व्यक्ति को शरीर छोडने मे कष्ट नही होता था।

:——x——:

प्रश्न क्र० 10 का उत्तर (अथवा)

यशोधर बाबु की पत्नी अपने बच्चो के साथ आधुनिक्ता को अपना कर समय के साथ ढल सकने मे सफल हो गयी परंतु यशोधर बाबू पुरानी परंपरा व संस्कृती के साथ चलते थे, अतः वह समय के साथ न ढल सके।

:——x——:

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 11 का उत्तर

उ० • मुद्रित लेखन के छपे शब्द स्पष्ट व स्वच्छ होने चाहिए।

मुद्रित लेखन में भाषा सरल होनी चाहिए।

:————X————:

प्रश्न क्र० 12 का उत्तर

उ० करूण रस - कविता पाठन से जब सहृदय से हृदय मे जो करूणा के भाव का उद्दीपन होता उस भाव को करूण रस कहते है।

उदाहरण - हे खग, हे मृग, हे तरू सयनी
तुम देखे सीता मृगनयनी

:————X————:

प्रश्न क्र० 13 का उत्तर

सोरठा छंद - जिसके प्रथम व तृतिय चरण मे 11-11 मात्रा व द्वितीय व चतुर्थ चरण मे तेरह 13-13 मात्रा होती है उसे सोरठा छंद कहते है।

उदाहरण - मंगल भवन असंगल हारी।
द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी॥

:————X————:

M P B S E

प्रश्न क्र० 14 का उत्तर

3०

मुहावरे	लोकोक्ति
मुहावरे वाक्यांश होते है	लोकोक्ति सम्पूर्ण वाक्य होती
मुहावरो का अर्थ लघु होता है	लोकोक्ति समाज की कथा एवं कंवदंती से मिलती है।
मुहावरे के पीछे कोई कथा व कहनी नहीं होती है	लोकोक्ति के पीछे कोई कथा व कहनी होती है।

:———X———:

प्रश्न क्र० 15 का उत्तर

1) ईश्वर के अनेकों नाम है।

ईश्वर के अनेक नाम है

मुझे केवल मात्र बीस रूपये दिजिए।

3० मुझे मात्र बीस रूपये दीजिए।

:———X———:

प्रश्न क्र० 16 का उत्तर (तुलसीदास जी)

दो रचनाएँ - रामचरितमानस, विनयपत्रिका।

भाव पक्ष - कला पक्ष - यह भक्तिकाल के सर्वोपरि

कवि माने जाते है। ~~सक~~ संस्कृत मे सृजन क्षमता होने के बाद भी इन्होने जन सुविधा के लिए अवधि एवं ब्रज भाषा का चयन किया, इनके काव्य मे जन कल्याण की भावना देखने को मिलती है।

~~यह सम~~

साहित्य मे स्थान - हिन्दी साहित्य के स्वर्णीम युग (भक्तिकाल) के महत्त्व पूर्ण स्तंभ माने जाते है, सगुण ~~भक्तिकाल~~ भक्तिकाल से राम भक्तिधारा के सर्व सिरोमणि कवि रहे है, इनके काव्यो मे राम भक्ति प्रचुर मात्रा मे प्राप्त होती है।

:———x———:

प्रश्न क्र० १५ का उत्तर (~~अथवा~~)

महादेवी वर्मा

दो रचनाए - नीरजा, सांध्य गीत

भाषा शैली - महादेवी वर्मा के काव्य मे मुख्यत: खडी बोली का प्रयोग होता है, इनकी भाषा सरल व मर्म गहन होता है, इनके काव्य मे नारी सशक्तिकरण व समाज सुधार की भावना मिलती है।

साहित्य मे स्थान - छायावाद के चार स्तंभ मे से एक (अन्य तीन - निराला, पंत, आदि) यह एक

M P B S E

प्रश्न क्र.

समाजसेवी भी रही है, इन्हे पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया है।

:———×———:

प्रश्न क्र० 18 का उत्तर

तत्सम	तद्भव
वह शब्द जो सस्कृत से हिन्दी भाषा मे ज्यो का त्यो आ गए है उन्हे तत्सम शब्द कहते है	वह शब्द जीसका रूप हिन्दी मे आकर बदल गया या अन्य भाषा से हिन्दी मे आ गए उन्हे तद्भव कहते है।
उदाहरण – कंण, सर्प, सूर्य	उदाहरण – सूरज, साप, गला

:———×———:

प्रश्न क्र० 19 का उत्तर (अथवा)

संकेत राष्ट्रीय आ रही — — — — — — — रहा है।

उपर्युक्त गंद्यांश का उचित शीर्षक है देशप्रेम।

राष्ट्रिय भावना मे शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।

3. सुदीर्घ – विस्त्रित, बडा।

:———×———:

प्रश्न क्र.

प्र० 20 का उत्तर

संदर्भ — यह पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के भाग 2 के पाठ रूबांइया से लिया गया है इसके रचयता फिंराक गोरखपुरी रहे है।

प्रसंग — इस प्रसंग मे एक नन्हा सा बालक चांद को देख कर ललायीत हो गया है तथा चांद को पाने की जिद कर रहा था।

संकेत — आंगन मे — — — — — आया है।

व्याख्या — इस पद मे बालय चांद रूपी खिलौने को प्राप्त करने की जिद करता है तब उसकी माता उसे दर्पण पर चांद का प्रतिबिंब दिखा कर कहती है कि तुम्हारा चांद इसमे उतर आया है।

:————x————:

प्रश्न क्र० 21 का उत्तर (अथवा)

संदर्भ — यह गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के पाठ -'पहलवान की ढोलक' से लिया गया है इसके रचयता फणिश्वरनाथ रेणू है।

प्रसंग — इस गद्य मे गांव की विभीषिका को पहलवान की ढोलक चुनौती देती है।

संकेत — रात्रि — — — — — — भरती थी।

MPBSE

प्रश्न क्र.

व्याख्या - रोग युक्त गांव की भयान रात को पहलवान की ढोलक ही चुनौती देती है, वह साम से पूरी रात्री बजती है, और आशा हीन गांव को एक उत्साह भर कर संजीवनी का कार्य करती है।

: ——— x ——— :

प्र० 23 का उत्तर

पर्यावरण प्रदूषण : उसकी रोकथाम में योगदान

पर्यावरण प्रदूषण - पर्यावरण का अर्थ है, हमारे आस - पास का वातावरण यदि यदि स्वच्छ नहीं होगा तो हम एक आदर्श स्वाश्थ्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती है

यदि हमारा पर्यावरण स्वच्छ होगा तो स्वतः ही हमारे प्रिय जन स्वस्थ होंगे, तभी सबका विकास होगा।

हम सबको एक साथ मिलकर इसकी रक्षा करनी होगी। यदि हम अपने समाज की उन्नती चाहते है तो सहयोग दो।

——— x ———

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 22 का उत्तर

सेवा मे
श्री मान निगमायुक्त महोदय
जबलपुर (म० प्र)

विषय - नियमित जल आपूर्ति करवाने हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,
सविनय, नम्र निवेदन है की रामपुर के ठठहरा मोहोल्ले मे नियमित जल न मिल पाने के कारण हमे समस्या का सामना करना पडता है अतः कृपया करके जल आपूर्ति की महान कृपा करे।

धन्यवाद

दिनांक - 19/02/2022

आस्था सिंह
जबलपुर

M
B
S
E